



॥ गुरुवार का व्रत किन राशियों के लिए
उपयुक्त है? ॥

॥ ॐ बृं बृहस्पतये नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ गुरुवार का व्रत किन राशियों के लिए उपयुक्त है? ॥

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार गुरुवार का व्रत बृहस्पति ग्रह को समर्पित होता है। इसलिए यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जिनकी कुंडली में बृहस्पति कमजोर, पीड़ित या प्रतिकूल स्थिति में हो। केवल राशि के आधार पर व्रत का निर्णय करना पूर्णतः पर्याप्त नहीं होता।

सामान्य रूप से इन राशियों के लिए गुरुवार की उपासना शुभ मानी जाती है:

धनु राशि — धनु के स्वामी बृहस्पति हैं। गुरु की कृपा से ज्ञान, भाग्य और जीवन में प्रगति की कामना की जाती है।

मीन राशि — मीन राशि के भी स्वामी बृहस्पति हैं। आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और सौभाग्य के लिए गुरु पूजा शुभ मानी जाती है।

कर्क राशि — बृहस्पति कर्क राशि में उच्च के माने जाते हैं। गुरु की उपासना शिक्षा, परिवार और समृद्धि से जुड़े शुभ फलों के लिए की जाती है।

वृश्चिक राशि — गुरु की शुभ उपासना उच्च शिक्षा, भाग्य और सकारात्मक अवसरों के लिए की जा सकती है।

वृषभ राशि — यदि कुंडली में बृहस्पति कमजोर या पीड़ित हो, तो उचित ज्योतिषीय सलाह के बाद गुरुवार का व्रत किया जा सकता है।

किन परिस्थितियों में विशेष रूप से विचार करें?
गुरुवार का व्रत विशेष रूप से तब किया जाता है जब:
विवाह में बार-बार बाधा या विलंब हो।
शिक्षा या उच्च अध्ययन में रुकावट आ रही हो।
आर्थिक उन्नति में बाधाएं हों।
संतान संबंधी शुभ फल की कामना हो।
गुरु ग्रह कुंडली में कमजोर या पीड़ित हो।
आध्यात्मिक और धार्मिक उन्नति की इच्छा हो।

महत्वपूर्ण: गुरुवार का व्रत हर व्यक्ति के लिए समान रूप से आवश्यक नहीं होता। वैदिक ज्योतिष में लग्न, गुरु की स्थिति, भाव, राशि, दृष्टि और दशा देखकर निर्णय लेना अधिक उचित माना जाता है। इसलिए केवल अपनी चंद्र राशि देखकर व्रत शुरू करने के बजाय पूरी कुंडली के आधार पर निर्णय लेना बेहतर है।

Hargharpanditji

PUTA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR